

24 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण**A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:**

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:सामाजिक न्याय

- आठ राज्यों में एनोमिया का प्रसार अत्यधिक पाया गया

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण टीबी-रोधी दवाओं की कमी को उजागर करते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

E. संपादकीय:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

F. प्रीलिम्स तथ्य:

- चीनी सेना ने फिलीपींस की नाव पर पानी की बौछारों से हमला किया
- अफ्रीका से बाहर प्रसार शुष्क अवधि के दौरान हुआ होगा

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण टीबी-रोधी दवाओं की कमी को उजागर करते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमरा के जीवन पर इसका प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: टीबी-रोधी दवाएं।

मुख्य परीक्षा: भारत में महत्वपूर्ण टीबी-रोधी दवाओं की कमी।

प्रसंग:

- कार्यकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में महत्वपूर्ण टीबी-रोधी दवाओं की कमी पर प्रकाश डाला है।
- हर साल 24 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व क्षय रोग दिवस से पहले तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई।
- दवा के प्रति संवेदनशील टीबी (DS-TB) के इलाज के लिए आवश्यक दवाओं की कमी विशेष रूप से प्रभावित करती है।

मुद्रे

आवश्यक दवाओं की कमी

- DS-TB उपचार के लिए महत्वपूर्ण 4FDC और 3FDC दवाओं की कमी।
- सीमित जानकारी रिपोर्ट किए गए मामलों से परे व्यापक स्टॉकआउट का संकेत देती है।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम पर प्रभाव

- राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) डॉट्स (DOTS) रणनीति के लिए निर्बाध दवा आपूर्ति महत्वपूर्ण है।
- अपर्याप्त उपचार से दवा-रोधी टीबी उपभेदों को बढ़ावा मिलता है।

मरीजों पर प्रभाव

- इलाज करा रहे मरीजों के इलाज में रुकावट।
- उपचार प्रतिरोध विकसित होने का खतरा बढ़ गया।
- उपचार के परिणामों से समझौता और टीबी कार्यक्रम पर अतिरिक्त बोझ।

क्षय रोग (टीबी)

- क्षय रोग (टीबी) एक संभावित गंभीर संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है।
- जीवाणु माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्यूलोसिस के कारण होने वाली टीबी दुनिया भर में मृत्यु के शीर्ष 10

कारणों में से एक है, जो विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती पेश करती है।

समाधान

तत्काल हस्तक्षेप

- निर्बाध दवा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कमी की सूचना पर तुरंत ध्यान देना।
- स्टॉकआउट को कम करने के लिए संसाधनों का आवंटन करना और प्रयासों का समन्वय करना।

उन्नत निगरानी और रिपोर्टिंग

- दवा की उपलब्धता और स्टॉक स्तर की निगरानी के लिए तंत्र में सुधार करना।
- समय पर कार्रवाई के लिए कमी की रिपोर्ट करने में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

दीर्घकालिक रणनीति

- दवा खरीद और वितरण प्रणाली को मजबूत करना।
- भविष्य में कमी को रोकने के लिए मजबूत इन्वेंट्री प्रबंधन प्रथाओं को लागू करना।
- आयात पर निर्भरता कम करने के लिए स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं में निवेश करना।

सारांश:

- आवश्यक टीबी-रोधी दवाओं की कमी भारत के टीबी नियंत्रण प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उपचार में रुकावट और दवा प्रतिरोध के जोखिमों को कम करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और टीबी उन्मूलन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है।

आठ राज्यों में एनीमिया का प्रसार अत्यधिक पाया गया

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

सामाजिक न्याय

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।

प्रारंभिक परीक्षा: भारत में एनीमिया के कारण।

मुख्य परीक्षा: एनीमिया को कम करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम।

प्रसंग:

- भारत में एनीमिया की व्यापकता पिछले सर्वेक्षणों में अधिक आंकी गई थी।
- आठ राज्यों में हालिया अध्ययन पिछले निष्कर्षों को चुनौती देता है।
- माप विधियों और नमूना प्रकारों के कारण विसंगतियाँ हैं।

मुद्दे

माप संबंधी विसंगतियाँ

- केपिलरी ब्लड सैंपलिंग बनाम वेनस ब्लड सैंपलिंग।

- केपिलरी ब्लड हीमोग्लोबिन के स्तर को कम आंकता है।
- ऊतक द्रव मिश्रण के कारण तनुकरण प्रभाव।
- आठ भारतीय राज्यों में 4,613 प्रतिभागियों के साथ एक व्यापक अध्ययन में पाया गया कि पिछले एनीमिया प्रसार अनुमान को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था।
- एनीमिया की व्यापकता मुख्य रूप से कम थी, कुल दर में 18.4% निम्न, 14.7% मध्यम, और 1.8% गंभीर थे। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में एनीमिया की दर अधिक थी।
- NFHS सर्वेक्षणों ने इस अध्ययन की तुलना में एनीमिया की दर बहुत अधिक दिखाई, जिसके लिए विभिन्न रक्त नमूनाकरण विधियों में विसंगतियों को जिम्मेदार ठहराया गया।

व्यापकता विसंगतियाँ

- NFHS सर्वेक्षण उच्च एनीमिया प्रसार दर्शाते हैं। एनीमिया का सबसे अधिक प्रसार असम और ओडिशा में देखा गया, जबकि मेघालय और तेलंगाना में यह सबसे कम था।
- वर्तमान अध्ययन से कम प्रसार दर का पता चलता है।
- जैसा कि माना जाता है आयरन की कमी एनीमिया का प्राथमिक कारण नहीं है।

एनीमिया

- एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसकी विशेषता शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं (RBCs) की संख्या या गणवत्ता में कमी या उन कोशिकाओं के भीतर हीमोग्लोबिन सांदर्भ में कमी है।
- हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में एक प्रोटीन है जो फेफड़ों से शरीर के बाकी हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है।
- जब आपको एनीमिया होता है, तो आपके शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं मिल पाता है, जिससे थकान, कमजोरी, फीकी या पीली त्वचा, अनियमित दिल की धड़कन, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना या ठंडे हाथ और पैरों का ठंडा पड़ने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

महत्व

- प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल नीतियों के लिए वास्तविक प्रसार को समझना महत्वपूर्ण है।
- संसाधन आवंटन और हस्तक्षेप रणनीतियों के लिए निहितार्थ।
- एनीमिया के मुख्य कारण के रूप में आयरन की कमी से संबंधित धारणाओं को चुनौती देता है।
- वर्तमान अनुपूरण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठाता है।

समाधान

बेहतर माप तकनीक

- अधिक सटीक परिणामों के लिए वेनस ब्लड सैंपलिंग पर विचार करना।
- तनुकरण प्रभाव और प्लाज्मा-स्किमिंग घटना को संबोधित करना।

नीतियों पर पुनर्विचार

- सार्वभौमिक आयरन अनुपूरण नीतियों पर पुनर्विचार करना।
- केवल आयरन को लक्षित करने के बजाय विविध पोषण संबंधी हस्तक्षेपों पर ध्यान देना।
- सूजन को कम करने और समग्र आहार विविधता में सुधार पर जोर देना।

आहार विविधीकरण को बढ़ावा देना

- अनाजों से बाजरा जैसे अधिक लचीले विकल्पों की ओर विस्थापन करना।
- शिक्षा और रणनीतियों के माध्यम से मोटे अनाजों में फाइटेट सामग्री की चुनौतियों का समाधान करना।
- मोटे अनाजों से बढ़े हुए आयरन और कैल्शियम के लाभों पर प्रकाश डालना।

निष्कर्ष

- मौजूदा धारणाओं को चुनौती देते हुए आयरन की कमी एनीमिया का एकमात्र कारण नहीं है।
- सार्वभौमिक आयरन अनुपूरण के बजाय विविध पोषण संबंधी हस्तक्षेपों और आहार विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नीति पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

सारांश:

- हो सकता है कि माप और नमूने की विसंगतियों के कारण पिछले सर्वेक्षणों में भारत में एनीमिया की व्यापकता को कम करके आंका गया हो। एनीमिया से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सटीक माप तकनीकों और मोटे अनाजों जैसे लचीले खाद्य विकल्पों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

संपादकीय-द हिन्दू

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. चीनी सेना ने फिलीपींस की नाव पर पानी की बौछारों से हमला किया

प्रसंग: चीनी तट रक्षक जहाजों ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की एक आपूर्ति नाव पर पानी की बौछारों से हमला किया।

- यह घटना विवादित सेकेंड थॉमस शोल के पास घटी।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने फिलीपींस के लिए समर्थन और चीनी आक्रामकता पर चिंता व्यक्त की है।

मुद्रे

बढ़ता तनाव

- सेकेंड थॉमस शोल के पास चीनी और फिलीपीन जहाजों के बीच टकराव।
- चीनी तट रक्षकों की आक्रामकता की बार-बार होने वाली घटनाएँ, जिससे क्षति और चोटें आईं।

क्षेत्रीय विवाद

- 1999 से फिलीपीन नौसेना द्वारा अधिकृत सेकेंड थॉमस शोल।
- चीनी तट रक्षक और संदिग्ध मिलिशिया जहाजों से घिरा हुआ।
- तनावपूर्ण गतिरोध से क्षेत्र में समुद्री तनाव बढ़ रहा है।

संघर्ष का जोखिम

- चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बड़े संघर्ष के बढ़ने की चिंता।
- क्षेत्रीय स्थिरता और वैशिक व्यापार मार्गों पर संभावित प्रभाव।
- अमेरिका द्वारा नेविगेशन संचालन की स्वतंत्रता की चीन ने आलोचना की।

महत्व

- यह घटना दक्षिण चीन सागर में चल रहे क्षेत्रीय विवादों और सत्ता संघर्ष पर प्रकाश डालती है।
- समुद्री सुरक्षा और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के बारे में चिंताएँ बढ़ाती हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान जैसी प्रमुख शक्तियों की भागीदारी क्षेत्रीय भू-राजनीतिक गतिशीलता को रेखांकित करती है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मार्गों पर जोखिम विवाद के वैशिक निहितार्थ को रेखांकित करता है।

समाधान

राजनयिक जुड़ाव

- तनाव कम करने और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए राजनयिक चैनलों को प्राथमिकता देना।
- पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए चीन और फिलीपींस के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।

बहुपक्षीय सहयोग

- विवादों में मध्यस्थता के लिए क्षेत्रीय हितधारकों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को शामिल करना।
- संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय (UNCLOS) सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून के पालन को बढ़ावा देना।

संघर्ष निवारण उपाय

- समुद्र में गलतफहमियों और गलत अनुमानों को रोकने के लिए संचार तंत्र स्थापित करना।
- शामिल पक्षों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्वास-निर्माण उपायों को लागू करना।

2. अफ्रीका से बाहर प्रसार शुष्क अवधि के दौरान हुआ होगा

प्रसंग: हाल के अध्ययन से पता चलता है कि अफ्रीका से मनुष्यों का प्रसार इंडोनेशिया में टोबा सुपर-वोल्केनो विस्फोट के बाद शुष्क अवधि के दौरान हुआ होगा।

- पिछली धारणाओं के विपरीत कि मानव प्रवास आर्द्ध अवधि के दौरान होता है, अध्ययन का प्रस्ताव है कि शुष्क परिस्थितियों ने प्रसार को सुविधाजनक बनाया होगा।

मुद्दे

मानव प्रसार का समय

- 100,000 वर्ष से भी कम समय पहले अफ्रीका से बाहर प्रसार।
- प्रसार टोबा सुपर-वोल्केनो विस्फोट के बाद शुष्क अवधि के दौरान हुआ।

पर्यावरण संदर्भ

- शिन्फा नदी के पास उत्तर पश्चिमी इथियोपिया में अध्ययन स्थल।
- मानव उपस्थिति, उपकरण निर्माण और पशु अवशेषों के साक्ष्य।
- रासायनिक विश्लेषण इस स्थल को लगभग 74,000 साल पहले टोबा महाविस्फोट से जोड़ता है।
- ऑक्सीजन समस्थानिक विशेष रूप से शुष्क वातावरण का संकेत देते हैं।

मानव व्यवहार पर प्रभाव

- शुष्क अवधि के दौरान मछली पर निर्भरता में विरोधाभासी वृद्धि।
- शुष्क मौसम में नदी सिकुड़ने के कारण जलाशयों में मछलियों का फॅसना।
- शुष्क मौसम के जलकुंडों के साथ खाना ढूँढने में अनुकूलन ने मानव आवाजाही को सुविधाजनक बनाया होगा।
- यह प्रस्ताव कि शुष्क स्थितियाँ पिछली मान्यताओं के विपरीत मानव प्रवास को प्रेरित करती हैं।

आउट ऑफ अफ्रीका सिद्धांत

- "आउट ऑफ अफ्रीका" सिद्धांत, जिसे "हालिया अफ्रीकी मूल" मॉडल के रूप में भी जाना जाता है, पैलियोएंथ्रोपोलॉजी में एक व्यापक रूप से स्वीकृत परिकल्पना है जो प्रस्तावित करती है कि सभी आधुनिक मानवों (होमो सेपियन्स) की उत्पत्ति अफ्रीका में हुई थी।

महत्व

- मानव प्रवास पैटर्न की पारंपरिक समझ को चुनौती देता है।
- मानव व्यवहार और गति को आकार देने में शुष्क परिस्थितियों की भूमिका पर प्रकाश डालता है।
- विविध वातावरणों में प्रारंभिक मनुष्यों की अनुकूलनशीलता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- विभिन्न जलवायु और आवासों में मानव विस्तार को समझने के लिए निहितार्थ प्रस्तुत करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. कोलेस्ट्रॉल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कथनों की पहचान कीजिए:

- LDL (लो-डैंसिटी लिपोप्रोटीन) को अक्सर "खराब" कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है क्योंकि इसका उच्च स्तर धमनियों में प्लाक का निर्माण कर सकता है और परिणामस्वरूप हृदय रोग हो सकता है।
- HDL (हाई-डैंसिटी लिपोप्रोटीन) को "अच्छे" कोलेस्ट्रॉल के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह रक्तप्रवाह से कोलेस्ट्रॉल के अन्य रूपों को हटाने में मदद करता है।
- ट्रांस वसा और संतृप्त वसा का सेवन बढ़ाने से HDL कोलेस्ट्रॉल का स्तर काफी बढ़ सकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- केवल एक

- b. केवल दो
- c. सभी तीन
- d. कोई भी नहीं

उत्तर: b

प्रश्न 2. सी-डॉट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- 1. सी-डॉट भारत के लिए कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल लागू कर रहा है।
- 2. सी-डॉट की स्थापना 1980 के दशक में शहरी भारत के लिए दूरसंचार प्रौद्योगिकी और समाधान विकसित करने के प्राथमिक उद्देश्य से की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1, न ही 2

उत्तर: a

प्रश्न 3. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए:

- 1. यमन
- 2. ज़िबूती
- 3. सोमालिया
- 4. सोमालीलैंड
- 5. इथियोपिया
- 6. सूडान

उपर्युक्त में से कितने देश अदन की खाड़ी को घेरे हुए हैं?

- a. केवल तीन
- b. केवल चार
- c. केवल पांच
- d. सभी छह

उत्तर: b

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- 1. जेनोट्रांसप्लांटेशन तब होता है जब गैर-मानव कोशिकाओं, ऊतकों या अंगों का उपयोग मनुष्यों में चिकित्सा स्थितियों के इलाज के लिए किया जाता है।
- 2. इसका उपयोग किडनी, हृदय या यकृत जैसे महत्वपूर्ण अंगों को एक जानवर से दूसरे प्रकार के जानवर में स्थानांतरित करने के लिए किया गया है।

3. मिर्गी, स्थायी असाध्य दर्द, हंटिंगटन रोग, पार्किंसंस रोग, टाइप 1 मधुमेह और गंभीर रूप से झुलसने जैसी अन्य गंभीर स्थितियों के इलाज के लिए ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन में जीव कोशिकाओं या ऊतकों का भी उपयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं:

- a. केवल एक
- b. केवल दो
- c. केवल तीन
- d. कोई भी नहीं

उत्तर: c

प्रश्न 5. भारत में, 'विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व' (EPR) को निम्नलिखित में से किसमें एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में पेश किया गया था?

- a. जैव चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबंधन और रखरखाव) नियम, 1998
- b. पुनर्चक्रित प्लास्टिक (विनिर्माण और उपयोग) नियम, 1999
- c. ई-अपशिष्ट (प्रबंधन और रखरखाव) नियम, 2011
- d. खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011

उत्तर: c

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में तपेदिक (टीबी) नियंत्रण की बहुमुखी चुनौतियों का परीक्षण कीजिए, और इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को दूर करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए उपायों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (Examine the multifaceted challenges of tuberculosis (TB) control in India, and critically analyze the measures taken by the Government of India to address this public health crisis.)

10 अंक 150 शब्द (सामान्य अध्ययन - III, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

प्रश्न 2. भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में एनीमिया की बहुमुखी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, आबादी के विभिन्न वर्गों के बीच एनीमिया से निपटने के उद्देश्य से मौजूदा रणनीतियों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (Considering the multifaceted nature of anaemia as a public health issue in India, critically analyze the existing strategies aimed at combating anaemia among different sections of the population.)

10 अंक 150 शब्द (सामान्य अध्ययन - II, सामाजिक न्याय)

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)